सेंट जोसेफ विश्वविद्यालय, बेंगलुरू

St Joseph's University, Bengaluru

पीएच.डी. हिंदी प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम

Syllabus for PhD Hindi Entrance Examination

1. हिंदी भाषा का विकास :

अपभ्रंश (अवहट्ट सहित) और पुरानी हिंदी का संबंध, साहित्यिक हिंदी का संबंध, साहित्यिक हिंदी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास, हिंदी की बोलियाँ-वर्गीकरण तथा क्षेत्र नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण। मानक हिंदी का भाषा वैज्ञानिक विवरण (रूपगत), भाषा परिवार एवं भारतीय आर्यभाषाएँ प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक भारतीय भाषाएँ।

भाषा और भाषा विज्ञान, स्वनिम विज्ञान, वाक्य विज्ञान पद विज्ञान हिंदी की रूप रचना, उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन, कारक, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, काल, पक्ष और वाच्य आदि।

हिंदी प्रसार आंदोलन, प्रमुख व्यक्ति तथा संस्थाओं का योगदान, राजभाषा हिंदी और उसकी संविधानिक स्थिति। हिंदी भाषा प्रयोग के विविध रूप बोली, मानकभाषा, संपर्कभाषा, राजभाषा और राष्ट्रभाषा संचार माध्यम और हिंदी।

2. हिंदी साहित्य का इतिहास :

हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ, हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ, हिंदी साहित्य इतिहास का काल विभजन और नामकरण। हिंदी के प्रमुख साहित्यिक केंद्र, संस्थाएँ, पत्र-पत्रिकाएँ।

2. आदिकाल :

आदिकाल का नामकरण, रासो-साहित्य, जैन साहित्य, सिध्द और नाथ साहित्य, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति की पदावली, लौकिक साहित्य तथा आरंभिक गद्य।

3. भक्तिकाल :

भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक-सांस्कृतिक करण, प्रमुख निर्गुण संत एवं सगुण संप्रदाय, वैष्णव भक्ति की सामाजिक- सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, आलवार, प्रमुख संप्रदाय और आचार्य, भक्ति आंदोलन का आखिल भारतीय स्वरूप। हिंदी संत काव्य परंपरा, संत काव्य का वैचारिक आधार, प्रमुख संत कवि और संत काव्य की प्रमुख विशेषताएँ हिंदी सूफी काव्य परंपरा, सूफी काव्य का वैचारिक आधार, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और रचनाएँ, सूफी प्रेमाख्यानों का स्वरूप, हिंदी सूफी काव्य की

प्रमुख विशेषताएँ हिंदी कृष्ण काव्य की परंपरा, विविध संप्रदाय, वल्लभ संप्रदाय, अष्टछाप प्रमुख कृष्ण भक्त कवि और काव्य, भ्रमरगीत काव्य-परंपरा, गीति परंपरा और हिंदी कृष्ण काव्य, संप्रदाय निरपेक्ष कृष्ण भक्ति काव्य, कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताएँ। हिंदी राम काव्य परंपरा, विविध संप्रदाय, रामभक्ति का शाखा के कवि और काव्य, काव्य रूप और विशेषताएँ।

4. रीतिकाल :

नामकरण, रीतिकाव्य के मूल स्रोत, रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्त्व, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिबद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाल के प्रमुख कवि और काव्य।

5. आधुनिक काल :

हिंदी गद्य का उद्भव और विकास भारतेंदु पूर्व हिंदी गद्य 1857 की राज्य क्रांति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण, भारतेंदु और भारतेंदु युगीन रचनाकार, भारतेंदु युगीन काव्य की विशेषताएँ। 19 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध की हिंदी पत्रकारिता।

6. द्विवेदी युग :

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा, राष्ट्रीय काव्यधारा के प्रमुख कवि और काव्य, स्वच्छंदतावाद और उसके प्रमुख कवि।

7. छायावाद :

छायावादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, छायावाद के प्रमुख कवि और काव्य।

8. प्रगतिवाद :

प्रगतिवादी काव्य की प्रमुख विशेषताएँ, प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और काव्य।

9. प्रयोगवाद और नई कविता :

प्रयोगवादी काव्य की विशेषताएँ प्रयोगवादी कवि और काव्य, तारसप्तक के कवि, नई कविता के कवि और काव्य, नकेनवाद, प्रपद्यवाद, समकालीन कविता, समकालीन साहित्यिक पत्रकरिता और पत्रिकाएँ।

10. हिंदी उपन्यास साहित्य :

प्रेमचंद पूर्व उपन्यास प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार और उपन्यास। स्वातंत्र्योत्तर उपन्यासकार और उपन्यास। 21 वीं शती के उपन्यासकार और उपन्यास।

11. हिंदी कहानी साहित्य :

बीसवीं सदी की हिंदी कहानी का विकासक्रम, प्रेमचंद युगीन कहानी और कहानीकार, प्रमचंदोत्तर कहानी और कहानीकार, 21 वीं सदी की कहानी और कहानीकार, नयी कहानी, सचेतन कहानी आदि।

12. हिंदी नाटक और एकांकी साहित्य :

हिंदी नाटक और एकांकी का विकासक्रम, भारतेंदुयुगीन नाटककार और नाटक, प्रसादयुगीन नाटककार और नाटक स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटककार और नाटक 21 वीं सदी के हिंदी नाटककार और नाटक हिंदी रंगमंच का विकासक्रम।

13. हिंदी निबंध साहित्य :

हिंदी निबंध के प्रकार और प्रमुख निबंधकार तथा उनकी प्रमुख रचनाएँ।

14. हिंदी आलोचना :

हिंदी आलोचना का विकासक्रम और प्रमुख आलोचक, तुलनात्मक साहित्य एवं फिल्म अध्ययन।

15. हिंदी की अन्य विधाएँ :

रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा, जीवनी, यात्रा साहित्य आदि।

16. विविध विमर्श :

स्त्री-विमर्श, दलित विमर्श, आदिवासी विमर्श एवं समाकालीन अन्य विमर्श।

17. भारतीय काव्यशास्त्र :

भरतमुनि का रससिध्दांत, रससूत्र, रससूत्र के व्याख्याकार, रस के अवयव, साधारणीकरण अलंकार सिध्दांत, अलंकार के भेद । रीति सिध्दांत, रीति-भेद, रीति गुण, रीति दोष वक्रोक्ति सिध्दांत वक्रोक्ति के भेद। ध्वनि सिध्दांत, औचित्य सिद्धांत, औचित्य के भेद काव्य हेतु और काव्य प्रयोजन, काव्य लक्षण।

18. पाश्चात्य काव्यशास्त्र :

प्लेटो और अरस्तु का अनुकरण सिध्दांत, अरस्तु का विरेचन सिध्दांत, टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा। लोंजाइनस की उदात्त की अवधारणा। कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत और ललित कल्पना। आई.ए. रिचर्डस रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना, संप्रेषण सिध्दांत। वर्डसवर्थ का काव्य भाषा- सिद्धांत। अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, संरचनावाद, शैली- विज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर-आधुनिकता, विडंबना, एब्सर्ड आदि।

--------xxxxx-------